RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 355
दि. 28.04.2026, मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

नतीजों से पहले पीएम मोदी का 'विजय संकल्प', बैरकपुर रैली में बोले- अब शपथ ग्रहण में ही आऊंगा

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के रण में 27 अप्रैल को प्रचार के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नॉर्थ 24 परगना के बैरकपुर में एक विशाल 'विजय संकल्प रैली' को संबोधित किया।

भीषण गर्मी के बावजूद उमड़ी लाखों की भीड़ और समर्थकों के जोश को देख प्रधानमंत्री पूरी तरह आत्मविश्वास से लबरेज नजर आए।

पीएम मोदी ने चुनावी मंच से बड़ा दावा करते हुए कहा कि बंगाल में परिवर्तन की लहर नहीं, बल्कि आंधी चल रही है और 4 मई को आने वाले नतीजे राज्य में नई राजनीतिक सुबह की शुरूआत करेंगे।

पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह बंगाल के जिस भी कोने में गए, वहां की जनता ने उनका अभूतपूर्व स्वागत किया है। उन्होंने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि आज की यह ऐतिहासिक भीड़ यह बताने के लिए काफी है कि बंगाल की जनता ने राज्य में बदलाव का मन बना लिया है।

प्रधानमंत्री ने आत्मविश्वास के साथ कहा, "मैं बंगाल की जनता का प्यार और आशीर्वाद लेकर जा रहा हूं। अब मैं सीधे 4 मई के बाद बंगाल में बीजेपी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में ही शामिल होने के लिए वापस आऊंगा।" उनके इस बयान ने बंगाल के सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है और कार्यकताओं में नया जोश भर दिया है।

देश की जनता ही मेरा परिवार

इस चुनाव की अपनी आखिरी रैली में प्रधानमंत्री मोदी काफी भावुक भी नजर आए। उन्होंने बताया कि हेलीपैड से सभा स्थल तक के करीब दो किलोमीटर लंबे रास्ते पर हजारों की तादाद में लोग चिलचिलाती धूप में उनका स्वागत करने के लिए खड़े थे।

उन्होंने कहा, "जब मैंने अपना घर छोड़ा था, तब मेरा कोई निजी

परिवार नहीं था। आज देश की 140 करोड़ जनता ही मेरा परिवार है। पिछले कई दशकों से देश के कोने-कोने में यात्रा करते हुए जनता के बीच रहना ही मेरे जीवन का सबसे बड़ा सुख रहा है।" पीएम मोदी ने कहा कि जनता का यही निस्वार्थ प्रेम उन्हें देश के लिए दिन-रात काम करने की ऊर्जा देता है।

पूर्वोदय से भारत का भाग्योदय, इसका विकास जरूरी

प्रधानमंत्री ने बंगाल की तुलना आध्यात्मिक चेतना से करते हुए जनवरी 2024 में अयोध्या में हुए रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जैसी आध्यात्मिक अनुभूति उन्हें अयोध्या में हुई थी, वैसी ही दिव्य ऊर्जा उन्हें बंगाल की इस पावन धरती पर महसूस हो रही है।

विकास के रोडमैप पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने 'पूर्वोदय' के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, 'जब भारत वैश्विक स्तर पर समृद्ध था, तब उसके तीन सबसे मजबूत स्तंभ थे अंग (बिहार), बंग (बंगाल) और कलिंग (ओडिशा)। भारत का भाग्योदय तब तक अधूरा है, जब तक पूर्वी भारत (पूर्वोदय) का पूर्ण विकास नहीं हो जाता। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए बंगाल की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।'

शाहजहांपुर में जलाई गई मजार की चादर-तोड़फोड़! जिले में तनाव-अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में धार्मिक स्थल पर तोड़फोड़ और अपवित्र करने की घटना ने इलाके में तनाव पैदा कर दिया है। सदर बाजार थाना क्षेत्र के चिनौर इलाके में एक मजार की पवित्र चादर जला दी गई। दरगाह के आसपास लगी लोहे की जाली तोड़ दी गई। सोमवार (27 अप्रैल) को पुलिस ने इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ FIR दर्ज कर ली। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करने के सख्त निर्देश जारी कर दिए हैं।

यह घटना रविवार (26 अप्रैल) को हुई, जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों में आक्रोश है, क्योंकि यह मजार सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक माना जाता है। पुलिस अब CCTV फुटेज खंगाल रही है और आरोपी की पहचान के लिए तेजी से छानबीन कर रही है।

शाहजहांपुर के पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने PTI को बताया कि धार्मिक स्थल पर कुछ जले हुए कपड़े मिले। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है

कि किसी ने मजार पर चढ़ाई गई चादर को हटाकर उसमें आग लगा दी। इसके अलावा, दरगाह के चारों ओर लगी लोहे की जाली भी टूटी हुई मिली। SP ने आगे बताया कि रविवार को औपचारिक शिकायत दर्ज की गई थी, जिसके आधार पर सोमवार को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। उन्होंने साफ कहा कि हमने पुलिस टीम को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे जल्द से जल्द आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार करें। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 298 के तहत मामला दर्ज किया है, जो किसी भी वर्ग के धर्म का अपमान करने के इरादे से पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाने या अपवित्र करने से संबंधित है।

दरगाह के देखरेखकर्ता का आक्रोश:'यह सौहार्द का प्रतीक है'

मजार की देखरेख करने वाले मोहम्मद अहमद उर्फ चांद मियां ने घटना पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि इस मजार पर मुसलमानों से ज्यादा हिंदू आते हैं। यह स्थल सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक है।

चांद मियां ने पुलिस से मांग की कि आरोपी को तुरंत गिरफ्तार किया जाए, जिसने दरगाह के चारों ओर लगी लोहे की जाली तोड़ी, चादर जलाई और ढांचे पर पत्थर फेंके। उन्होंने कहा कि घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी और अब जल्द कार्रवाई की उम्मीद है।

यह घटना एक बार फिर याद दिलाती है कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखना कितना जरूरी है। शाहजहांपुर पुलिस की तेज कार्रवाई से उम्मीद है कि आरोपी जल्द गिरफ्तार हो जाएगा और न्याय मिलेगा।

'टीएमसी घुसपैठ को बढ़ावा देती है, बंगाल अब मुक्ति चाहता है', चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सीएम योगी के तीखे प्रहार

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण से ठीक पहले सोमवार (27 अप्रैल) को राज्य में जोरदार प्रचार किया। हुगली जिले के प्रसिद्ध तारकेश्वर तारकनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने उत्तर 24 परगना जिले के कल्याणी विधानसभा क्षेत्र में इखढ उम्मीदवार अनुपम बिस्वास के समर्थन में भव्य रोड शो निकाला। लाखों की भीड़ उमड़ी, जहां योगी ने ळटउ पर जमकर हमला बोला।

सीएम योगी ने कहा, 'ळटउ घुसपैठ को बढ़ावा देती है। बंगाल अब इस पार्टी से मुक्ति चाहता है। टेरर, माफिया राज और कटमनी की सरकार का खेल खत्म होने वाला है।' उन्होंने ळटउ पर रामनवमी पर प्रतिबंध लगाने और लैंड जिहाद की घटनाओं पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। साथ ही दावा किया कि उन्होंने वढ को दंगा-मुक्त बना दिया है और अब बंगाल में भी 'डबल इंजन' सरकार आ रही है।

यह रोड शो सिर्फ चुनावी प्रचार नहीं, बल्कि बंगाल की बदलती राजनीतिक हवा का बड़ा संकेत था। 29 अप्रैल को दूसरे चरण में 142 सीटों पर वोटिंग है। पहले चरण में रिकॉर्ड 93.2% मतदान हुआ था। इखढ अब पूरे जोर से 'परिवर्तन' का नारा बजा रही है।

तारकेश्वर मंदिर से शुरू हुआ राष्ट्रवादी संदेश

सुबह योगी आदित्यनाथ ने हुगली के तारकेश्वर तारकनाथ मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। बाबा तारकनाथ के दरबार में राष्ट्रवाद का प्रचंड शंखनाद गूंजा। मंदिर से निकलते ही उन्होंने ळटउ शासन पर निशाना साधा। कहा कि पश्चिम बंगाल की धरती को टेरर, माफिया राज और कटमनी से मुक्त करने का समय आ गया है। बंगाल फिर से उन्नति की राह पर लौटेगा। यह दौरा संयोग नहीं था। तारकेश्वर जैसे पवित्र स्थल से शुरू करके योगी ने हिंदू भावनाओं को जोड़ने की कोशिश की, जिस पर ळटउ दमनकारी नीति अपनाती है।

कल्याणी में जनसैलाब:

कल्याणी पहुंचकर योगी ने इखढ प्रत्याशी अनुपम बिस्वास के लिए रोड शो किया। सड़कें BJP झंडों और समर्थकों से पट गईं। धानेखाली और कल्याणी विधानसभा क्षेत्र की जनता से संवाद करते हुए योगी ने कहा कि धानेखाली की जनता-जनार्दन से कह रहा हूं... TMC की दमनकारी राजनीति के दिन अब गिनती के रह गए हैं। पश्चिम बंगाल जाग चुका है। कल्याणी वासियों का हार्दिक आभार।

जानलेवा बन गया तरबूज! पूरा परिवार हुआ साफ

मुंबई के पायधुनी इलाके से एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत से मुंबई ही नहीं बल्कि पूरा देश अचंभे

में हैं। फूड पॉइजनिंग के एक संदिग्ध मामले में एक ही परिवार के चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। शुरूआती जानकारी के अनुसार, परिवार ने रात के भोजन में बिरयानी खाई थी और उसके कुछ समय बाद तरबूज खाया था।

तरबूज खाने के कुछ ही घंटों के भीतर परिवार के सभी सदस्यों की तबीयत बिगड़ने लगी और देखते ही देखते खुशियां मातम में बदल गईं। पुलिस अब इस गुत्थी को सुलझाने में जुटी है कि आखिर मौत का असली कारण बिरयानी थी, तरबूज या फिर इन दोनों का घातक मिश्रण।

पुडुचेरी में सीबीएससी की नई नीति पर छिड़ा विवाद, अब हिंदी पढ़ना होगा जरूरी, किस क्लास से बदलेगा सिलेबस?

(जीएनएस)।

केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की शिक्षा व्यवस्था में एक युगांतरकारी और बड़ा बदलाव होने जा रहा है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से यहां के सभी CBSE स्कूलों में तीन भाषा नीति को अनिवार्य रूप से लागू करने का निर्णय लिया गया है। इस नई व्यवस्था का सबसे सीधा असर यह होगा कि अब छात्रों को अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषा के साथ हिंदी पढ़ना भी आवश्यक होगा।

दशकों से तमिलनाडु की तर्ज पर 'दो भाषा नीति' का पालन कर रहे पुडुचेरी के लिए यह एक बड़ा नीतिगत बदलाव है। जहां सरकारी स्कूलों में तमिल और अंग्रेजी का बोलबाला था, वहीं निजी स्कूलों में फ्रेंच एक लोकप्रिय विकल्प रही है। हालांकि, नई गाइडलाइंस ने फ्रेंच के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है, जिससे अभिभावकों और राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

कक्षा 6 से लागू होगी नई व्यवस्था, क्या हैं नियम?

CBSE द्वारा जारी ताजा दिशा-निर्देशों के अनुसार, पुडुचेरी के स्कूलों में भाषा का ढांचा अब पूरी तरह बदल जाएगाः

अनिवार्य भाषाएंः कक्षा 6 से छात्रों को अब तीन भाषाएं पढ़नी होंगी। इसमें अंग्रेजी, हिंदी और तमिल (या संबंधित क्षेत्रीय भाषा) शामिल होगी।

निरंतरताः सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि जो तीसरी भाषा कक्षा 6 में चुनी जाएगी, वही कक्षा 9 और 10 में भी छात्र के मुख्य वैकल्पिक विषय के रूप में जारी रहेगी।

संसाधनों का उपयोगः जब तक नई व्यवस्था के लिए आधिकारिक पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध नहीं हो जातीं, तब तक स्कूलों को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध शैक्षणिक सामग्री और संसाधनों का उपयोग करने की छूट दी गई है।

7 दिन का अल्टीमेटम और उइरए का सख्त रुख

उइरए की निदेशक प्रज्ञा सिंह द्वारा जारी सर्कुलर ने स्कूलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। बोर्ड ने सभी संबद्ध स्कूलों को इस नई व्यवस्था को लागू करने के लिए मात्र 7 दिन का समय दिया है। इतने कम समय में पाठ्यक्रम और टाइम-टेबल में बदलाव करना स्कूलों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है।

नितेश राणे को कोर्ट ने सुनाई 1 महीने जेल की सजा,

क्या है 'कीचड़ कांड? जिसमें कोर्ट ने मंत्री को ठहराया दोषी

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के फडणवीस सरकार के मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे को 27 अप्रैल (सोमवार) को सिंधुदुर्ग की एक अदालत से तगड़ा झटका लगा है। नितेश राणे को 2019 के चर्चित 'कीचड़ कांड' मामले में दोषी ठहराया है। कोर्ट ने नितेश राणे को सार्वजनिक अपमान मामले में सोमवार को एक महीने की जेल की सजा सुनाई है। हालांकि अपील के लिए समय देते हुए सजा को निलंबित कर दिया।

यह घटना नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) के एक इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने से संबंधित है, जिसमें उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया था

ढ्ढशैर्ँ फंल्ली

'कानून बनाने वाले को कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए'

कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की कि कानून बनाने वालों को

कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए। इस मामले में राणे के साथ आरोपित 29 अन्य लोगों को बरी कर दिया गया है।

सरकारी अधिकारी का अपमान करने के आरोप में सजा सुनाई

सिंधुदुर्ग की अतिरिक्त सत्र अदालत ने, जिसकी अगुवाई न्यायाधीश वी एस देशमुख कर रहे थे, राणे को भारतीय दंड संहिता की धारा 504 (शांति भंग करने के इरादे से किया गया जानबूझकर अपमान) के तहत दोषी ठहराया। हालांकि, दंगा, सरकारी कर्मचारी पर हमला और आपराधिक साजिश जैसे आरोपों पर सबूतों की कमी के चलते 29 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया गया।

न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा, "भले ही राणे का इरादा काम की खराब क्वॉलिटी और लोगों को हो रही असुविधा के खिलाफ आवाज उठाना था, लेकिन उन्हें किसी सरकारी कर्मचारी को सार्वजनिक रूप से अपमानित या बेइज्जत नहीं करना चाहिए था।"

लखनऊ सहित 40 जिलों में आज लू की चेतावनी, 24 घंटे बाद बदलेगा मौसम; मई में गिरेगा तापमान

लखनऊ। प्रदेश के तापमान में रविवार को मामूली अंतर आया। इससे लू की स्थिति में मामूली सुधार हुआ। हालांकि सोमवार को भी प्रदेश के 40 जिलों में लू चलने के आसार हैं। 28 अप्रैल से लू की स्थिति में सुधार होने की संभावना है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव उत्तर-पश्चिम भारत तक पहुंचने के साथ तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव हो रहा है। निचले क्षोभ मंडल में आ रही गर्म पछुआ हवा के साथ आतंरिक महाराष्ट्र के आसपास बने प्रतिचक्रवात के प्रभाव से उत्तर प्रदेश में चल रही लू बांदा, अलीगढ़, हरदोई, अमेठी व प्रयागराज व आस-पास के जिलों तक सीमित रही।

'जब समय आएगा, सब पता चल जाएगा' : डीके शिवकुमार

उपमुख्यमंत्री के बयान ने बढ़ाई हलचल

(जीएनएस)।

कर्नाटक की सत्ताधारी कांग्रेस में अंदरूनी मतभेद और संभावित नेतृत्व संघर्ष की नई चर्चाओं के बीच, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इसे 'छोटा' बताते हुए खारिज कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी के भीतर कोई मुद्दा नहीं है और वे आलाकमान के किसी भी फैसले का पालन करेंगे।

उपमुख् यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, "मैं मीडिया के सामने राजनीतिक मुद्दों पर बात नहीं करता। जब समय आएगा, आप सभी को इसके बारे में पता चल जाएगा। फिलहाल, हमारे बीच कोई मुद्दा नहीं है, कोई समस्या नहीं है, और इसमें कोई राजनीति शामिल नहीं है। जो भी निर्णय लिए गए हैं, उन्हें लागू किया जाएगा।"

2023 पावर शेयरिंग समझौता के कारण बढ़ी अटकलें

डीके शिवकुमार की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब सरकार के अपने कार्यकाल के मिड प्वाइंट के करीब पहुंचने के साथ ही राजनीतिक

गलियारों में संभावित नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल फेरबदल की चर्चा तेज हो गई है। 2023 में सरकार गठन के समय मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कथित सत्ता-साझाकरण समझौते ने भी इन अटकलों को हवा दी है।

पार्टी में मतभेदों और नेतृत्व के हस्तक्षेप की आवश्यकता का संकेत देने वाले वरिष्ठ मंत्री सतीश जारकीहोली की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, शिवकुमार ने किसी भी तरह की दरार से इनकार किया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व "उचित समय पर जो कुछ भी करना होगा, वह करेगा।"

उन्होंने आगे कहा, "हमारी पार्टी जो आवश्यक समझेगी, वह कर सकती है। कोई समस्या नहीं है, हमें अपनी पार्टी पर पूरा भरोसा है। वे वही करेंगे जो करने की जरूरत है।" नेतृत्व में संभावित बदलाव के सवालों पर, शिवकुमार ने दोहराया कि वे और मुख्यमंत्री सिद्धामैया दोनों पार्टी के निदेर्शों का पालन करेंगे।

डीके शिवकुमार ने कहा, "मुख्यमंत्री और मैंने दोनों ने कहा है कि जब भी आलाकमान कोई निर्देश देगा, हम उसका पालन करेंगे और उसी के अनुसार कार्य करेंगे।" उन्होंने 15 मई को अपने जन्मदिन के आसपास किसी 'अच्छी खबर' की उम्मीद पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया,

जबकि राज्य में राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर अटकलें जारी हैं।

जन्मदिन को लेकर कार्यकताओं को दी सख्त चेतावनी, वहीं डीके शिवकुमार ने अपने जन्मदिन समारोह के लिए फ्लेक्स बैनर या होर्डिंग लगाने के खिलाफ पार्टी कार्यकताओं को सख्त चेतावनी जारी की।

उन्होंने कहा, "मेरे जन्मदिन पर कोई भी फ्लेक्स या बैनर नहीं लगाएगा। यदि कोई ऐसा करता है, तो मैं नागरिक अधिकारियों को कार्रवाई करने का निर्देश दूंगा। यदि आवश्यक हो, तो वे विज्ञापन प्रकाशित कर सकते हैं।"

भीषण गर्मी से झुलस रहा लखनऊ, पारा 44 डिग्री के करीब- राहत के लिए बनाए गए कूलिंग पॉइंट, बिजली व्यवस्था पर भी असर

लखनऊ में भीषण गर्मी से हालात बिगड़ गए हैं। तापमान 44 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है, जिससे जनजीवन प्रभावित है। राहत के लिए कूलिंग पॉइंट बनाए गए हैं।

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। तेज धूप और लगातार बढ़ते तापमान ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि सुबह से ही चिलचिलाती धूप लोगों को घरों में कैद रहने पर मजबूर कर रही है। मौसम विभाग के अनुसार, शहर में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे गर्मी का प्रकोप और बढ़ सकता है।

सुबह से ही तपने लगा शहर

लखनऊ में सुबह के समय से ही तेज धूप निकल रही है। जैसे-जैसे दिन चढ़ता है, गर्मी का असर और अधिक बढ़ जाता है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ दिखाई देता है और लोग जरूरी काम के अलावा बाहर निकलने से बच रहे हैं। गर्मी के कारण लोगों में बेचैनी, थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। खासकर बुजुर्ग, बच्चे और बाहर काम करने वाले लोग इस गर्मी से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

नगर निगम की पहल: कूलिंग पॉइंट

भीषण गर्मी से राहत देने के लिए नगर निगम ने शहर के प्रमुख स्थानों पर कूलिंग पॉइंट बनाए हैं। लालबाग और 1090 चौराहे पर बनाए गए इन कूलिंग पॉइंट्स पर लोगों के लिए कूलर, पंखे, ठंडा पानी और गुड़ की व्यवस्था की गई है। इन केंद्रों पर

राहगीरों और जरूरतमंद लोगों को गर्मी से राहत मिल रही है। नगर निगम का कहना है कि यदि जरूरत पड़ी तो ऐसे और कूलिंग पॉइंट्स भी बनाए जाएंगे।

बिजली व्यवस्था पर दबाव

तेज गर्मी का असर बिजली व्यवस्था पर भी साफ दिखाई दे रहा है। तापमान बढ़ने के कारण ट्रांसफॉर्मर ओवरहीट हो रहे हैं, जिससे कई जगहों पर बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। बिजली विभाग ने ट्रांसफॉर्मरों को ठंडा रखने के लिए पंखों का सहारा लिया है। इसके बावजूद कई इलाकों में लो वोल्टेज की समस्या सामने आ रही है, जिससे लोगों को अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पानी की बढ़ी मांग

गर्मी के कारण पानी की मांग भी काफी बढ़ गई है। लोग दिनभर ठंडा पानी और अन्य पेय पदार्थों का सेवन कर रहे हैं, जिससे जलापूर्ति पर भी दबाव बढ़ा है। कई क्षेत्रों में पानी की कमी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं।

स्वास्थ्य पर असर

डॉक्टरों के अनुसार, इस तरह की भीषण गर्मी में लू लगने का खतरा काफी बढ़ जाता है। लक्षणों में सिरदर्द, चक्कर आना, उल्टी और तेज बुखार शामिल हैं। डॉक्टर शीला श्रीवास्तव ने लोगों को सलाह दी है कि वे दोपहर के समय घर से बाहर निकलने से बचें और पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। साथ ही हल्के और ढीले कपड़े पहनने की भी सलाह दी गई है।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान

मौसम विभाग के मुताबिक, फिलहाल गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में हल्के बादल छाने की संभावना जताई गई है, लेकिन इससे तापमान में ज्यादा गिरावट की उम्मीद नहीं है।

जनजीवन पर व्यापक असर

भीषण गर्मी का असर हर वर्ग पर दिखाई दे रहा है:

बाजारों में भीड़ कम हो गई है

स्कूल-कॉलेजों में उपस्थिति प्रभावित हो रही है

दिहाड़ी मजदूरों के लिए काम करना मुश्किल हो गया है

ट्रैफिक और सार्वजनिक परिवहन में भी कमी देखी जा रही है

प्रशासन की तैयारी

प्रशासन ने गर्मी से निपटने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। अस्पतालों में विशेष वार्ड तैयार किए गए हैं और एंबुलेंस सेवाओं को अलर्ट पर रखा गया है। साथ ही, लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

कैसे करें बचाव

दोपहर 12 से 3 बजे के बीच बाहर निकलने से बचें

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं

धूप में निकलते समय सिर ढकें

हल्के और सूती कपड़े पहनें

बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें

लखनऊ में ड्राइवर ने गुटखा थूकने के लिए अचानक खोला दिया ईको वैन का दरवाजा, टकराकर स्कूटी सवार की मौत

(जीएनएस)।

लखनऊ। अयोध्या रोड स्थित यादव ढाबे के पास रविवार दोपहर ईको वैन के चालक ने गुटखा थूकने के लिए अचानक से गाड़ी का दरवाजा खोल दिया। सड़क पर स्कूटी से जा रहे स्टेशनरी व्यवसायी दरवाजे से टकरा कर सड़क पर गिरे।

उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। ईको वैन के चालक ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वैन चालक शव को छोड़कर अस्पताल से फरार हो गया। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

इंदिरा नगर के शक्ति नगर निवासी 50 वर्षीय शौनक शुक्ला स्टेशनरी व्यवसायी थे। रविवार की दोपहर वह मटियारी में अपने हास्टल पर जा रहे थे। यादव ढाबा के पास पहुंचे तभी आगे चल रही ईको कार के चालक ने गुटखा थूकने के लिए चलती गाड़ी का दरवाजा खोल दिया।

लखनऊ में 54 साल के शख्स ने लाइसेंसी पिस्टल से खुद को मारी गोली, डिप्रेशन से जूझ रहे थे

लखनऊ के हिम सिटी कॉलोनी में 54 वर्षीय जफर आजम ने लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

(जीएनएस)।

लखनऊ। मटियारी गांव के पास स्थित हिम सिटी कालोनी में रविवार शाम 54 वर्षीय जफर आजम ने लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली।

गोली की आवाज सुनकर परिवारजन कमरे में पहुंचे तो वह खून से लथपथ हालत में पड़े थे। आननफानन में उन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा के अनुसार मौके से लाइसेंसी पिस्टल बरामद हुई है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। बताया कि जफर आजम मूल रूप से आजमगढ़ जिले के कोट मोहल्ले के रहने वाले थे और हिम सिटी कालोनी में परिवार के साथ रहते थे।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि जफर आजम काफी समय से अवसाद (डिप्रेशन) में थे और एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य घर पर ही मौजूद थे। अचानक कमरे से गोली चलने की आवाज आई, जिसके बाद यह घटना सामने आई।

स्थानीय लोगों के मुताबिक जफर आजम आर्थिक रूप से संपन्न थे और इलाके में मिलनसार व मददगार छवि के लिए जाने जाते थे। पड़ोसियों ने बताया कि वह पिछले कुछ समय से गुमसुम रहने लगे थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं।

करीबी लोगों का कहना है कि जफर आजम बेहद नेकदिल व्यक्ति थे और जरूरतमंदों की मदद करते थे। ऐसे में उनका यह कदम उठाना सभी के लिए हैरान करने वाला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है।

यूपी में गर्मी की छुट्टी 2026: गर्मी का कहर! यूपी, नोएडा, गाजियाबाद और लखनऊ के स्कूलों में गर्मी की छुट्टी कब से होगी

(जीएनएस)।

देशभर में गर्मी का सितम लगातार जारी है। कई स्थानों पर अधिकतम पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जिससे हीटवेव का अलर्ट घोषित है। आईएमडी ने कई यूपी जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। बुंदेलखंड के कई जिलों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है, जिससे लोगों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते उत्तर प्रदेश के कई जिलों के स्कूलों के समय में परिवर्तन कर दिया गया है। वहीं कई जिलों में स्कूलों को एक से दो दिन बंद करने का आदेश दे दिया गया है। इस बीच छात्र व अध्यापक जानना चाहते हैं कि यूपी के स्कूल में गर्मी की छुट्टी कब है? नोएडा के स्कूल में गर्मी की छुट्टी कब है? गाजियाबाद के स्कूलों में गर्मी की छुट्टी कब है, लखनऊ के स्कूलों में गर्मी की छुट्टी कब है? वाराणसी के स्कूलों में गर्मी की छुट्टी कब है? यहां आप जान सकते हैं।

पिछले साल यानी 2025 में यूपी के स्कूलों में 20 मई से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश था। ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में परिषदीय और मान्यता प्राप्त विद्यालयों में 20 मई से गर्मी की छुट्टी रहेगी। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद की अवकाश तालिका में यह जानकारी दी गई है।" उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की अवकाश तालिका में बताया गया है कि यह आदेश सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों और परिषद के नियंत्रणाधीन विद्यालयों में लागू होगा।

स्कूल 20 मई को बंद होंगे और 15 जून के बाद खुलेंगे।

वहीं गाजियाबाद के स्कूलों में गर्मी की छुट्टी की बात करें तो यहां भी विद्यालयों में 20 मई से समर वेकेशन शुरू होगा और 15 जून तक स्कूल बंद रहेंगे। इसके बाद 16 जून को स्कूल खुल सकते हैं। हालांकि यदि गर्मी कम नहीं होती है तो छुट्टी आगे बढ़ाई जा सकती है। अधिक जानकारी के लिए एक बार अपने स्कूल के प्रधानाचार्य या शिक्षक से संपर्क करें।

नोएडा के स्कूलों में गर्मी की छुट्टी की बात करें तो यहां भी विद्यालयों में 20 मई से अवकाश होगा। इसके बाद स्कूल 15 जून के बाद खुल सकते हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है। यह जानकारी पिछले साल के आंकड़ो पर आधारित है।

लखनऊ में स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियां मई 2026 के मध्य से शुरू हो सकती हैं। यहां भी समर वेकेशन जून के अंत तक चलता है। छात्रों से अनुरोध है कि समर वेकेशन के लिए अपने स्कूल के प्रधानाचार्य या अध्यापक से संपर्क करें।

'15 साल का लड़का ऐसे कैसे मार सकता है?' पाकिस्तान को नहीं पच रही वैभव सूर्यवंशी की कामयाबी! लगाया गंभीर आरोप

(जीएनएस)।

भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के दमदार प्रदर्शन ने सरहद पार खलबली मचा दी है। अपनी विवादित बयानबाजी के लिए मशहूर पाक एक्सपर्ट नौमान नियाज ने 15 वर्षीय वैभव की सफलता पर सवाल उठाते हुए दावा किया है कि वे अपने बल्ले में 'अकचिप' का इस्तेमाल कर रहे हैं।

राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी का बल्ला क्या चला, सरहद पार खलबली मच गई है। 15 साल के इस बल्लेबाज ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जयपुर में अपना दूसरा आईपीएल शतक जड़ा। इस पर पाकिस्तान के क्रिकेट विशेषज्ञ नौमान नियाज ने उन पर बेहद हैरान करने वाला आरोप लगा दिया। नियाज का दावा है कि वैभव की ताकत के पीछे उनका हुनर नहीं, बल्कि उनके बल्ले में लगी 'अकचिप' हो सकती है।

मुंबई-सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस पटरी से उतरी, पुणे रेलवे स्टेशन पर कैसे हुआ ये हादसा?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के पुणे स्थित रेलवे स्टेशन में प्रवेश करते समय मुंबई-सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस सोमवार को पटरी से उतर गई। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। इस घटना में किसी भी यात्री को चोट नहीं आई।

पुणे स्टेशन में एंट्री करते हुए ट्रेन पटरी से उतरी

सेंट्रल रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. स्वप्निल नीला के अनुसार, मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से सोलापुर जा रही वंदे भारत ट्रेन का चौथा कोच सोमवार रात करीब 7:30 बजे पुणे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म में एंटी करते समय 'डायमंड क्रॉसिंग' पर पटरी से उतरा, जिससे उसकी एक ट्रॉली प्रभावित हुई।

कैसे हुआ ये हादसा?

रेलवे के पीआरओ ने बताया

डायमंड क्रॉसिंग वह ट्रैक लेआउट है जहां दो पटरियां एक कोण पर मिलकर हीरे का आकार बनाती हैं, जिससे ट्रेनें लाइन बदले बिना गुजर सकती हैं। अधिकारियों ने यह भी बताया कि पुणे स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग के तहत इस क्रॉसिंग के अपग्रेडेशन की योजना पहले से ही तैयार थी।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने कहा, "यात्रियों को दूसरी रेक में स्थानांतरित किया जा रहा है। इस डायमंड क्रॉसिंग को प्राथमिकता पर बदला जा रहा है, और भारतीय रेलवे में ऐसे ही अन्य गैर-मानक डायमंड क्रॉसिंग भी बदले जा रहे हैं।"

महाराष्ट्र में संचालित हो रही 11 वंदे भारत एक्सप्रेस

वर्तमान में, महाराष्ट्र में 11 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें पुणे-कोल्हापुर, पुणे-हुबली, सोलापुर-मुंबई, मुंबई-शिर्डी, मुंबई-गोवा, पुणे-नागपुर, मुंबई-नांदेड़ और नागपुर-बिलासपुर जैसे कई मार्गों पर संचालित हैं।

भाजपा नेता के भाई-भतीजे के हत्यारोपियों से मुठभेड़, पुलिस ने 'लंगड़ा' का दबोचा!

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में इखढ नेता के भाई, भतीजे और चचेरे भाई की बेरहमी से हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई। सोमवार 27 अप्रैल की सुबह करीब 5:30 बजे पुलिस ने मुख्य आरोपी मयंक सैनी को मुठभेड़ में घायल करके गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के बाएं पैर में गोली मारकर उसे 'लंगड़ा' कर दिया गया, ताकि वह भाग न सके। हालांकि, इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी बसपा पूर्व नगर अध्यक्ष जीतू सैनी अभी फरार है।

यह पूरा मामला न सिर्फ एक हत्याकांड है, बल्कि छोटी-सी बात पर भड़कने वाली हिंसा, अवैध हथियारों और स्थानीय राजनीतिक रस्साकशी का भी उदाहरण बन गया है। पुलिस की तेज कार्रवाई ने दिखाया कि यूपी में कानून व्यवस्था को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति कितनी सख्ती से लागू हो रही है। आइए इस घटना को विस्तार से समझते हैं कि क्या हुआ, कैसे हुआ और आगे क्या होगा?

वारदात की सच्ची कहानी: केक का मजाक बना मौत का सबब

मामला जिले स्थित खुर्जा नगर इलाके का है। यहां 25 अप्रैल की देर रात फ्ख़र फिटनेस जिम में जीतू सैनी (30) का जन्मदिन मनाया जा रहा था। जीतू, जो बसपा का पूर्व नगर अध्यक्ष रहा है, जिम संचालक भी हैं और स्थानीय स्तर पर काफी चर्चित चेहरा। पार्टी में उनके दोस्त और परिचित शामिल थे। वार्ड नंबर 24 के इखढ सभासद संजय सैनी के भाई मनीष सैनी (30), भतीजे आकाश सैनी (19) और चचेरे भाई अमरदीप सैनी (32) भी पार्टी में शामिल होने गए थे।

चश्मदीदों के मुताबिक, जश्न के दौरान अमरदीप सैनी ने मजाक में जीतू के चेहरे पर केक लगा दिया। यह छोटा-सा मजाक पहले कहासुनी में बदल गया। गाली-गलौज शुरू हुई। जीतू भड़क गए। थोड़ी देर बाद उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर तीनों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोलीबारी इतनी तेज थी कि तीनों

युवक मौके पर ही ढेर हो गए। जिम संचालक और मनीष सैनी के दोस्त रूपेश सैनी ने तुरंत संजय सैनी को फोन कर घटना की सूचना दी। संजय सैनी आनन-फानन में पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

पुलिस की 'सर्जिकल स्ट्राइक': रात 3 बजे गिरफ्तारी, सुबह 5:30 बजे मुठभेड़

पुलिस को इस मामले में बड़ी सफलता मिली। खुर्जा नगर थाना क्षेत्र के सुभाष रोड पर सोमवार सुबह हुई मुठभेड़ में मयंक सैनी को दबोच लिया गया। सर्किल ऑफिसर (सीओ) शोभित कुमार ने विस्तार से बताया कि रात करीब 3 बजे मयंक सैनी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि वारदात में इस्तेमाल किया गया देसी तमंचा फ्लाईओवर के नीचे छिपाया हुआ है। हम सुबह 5 बजे उसकी निशानदेही पर फ्लाईओवर के नीचे पहुंचे। तभी मयंक ने एक पुलिसकर्मी को धक्का देकर तमंचा उठा लिया और भागने की कोशिश में फायरिंग कर दी।

पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। गोली मयंक के बाएं पैर में लगी। वह घायल हो गया। पुलिसकर्मियों ने उसे कंधों पर उठाकर गाड़ी तक पहुंचाया और तुरंत जिला अस्पताल भर्ती कराया। मौके से अवैध तमंचा और एक खोखा कारतूस भी बरामद किया गया। इस मुठभेड़ ने साबित कर दिया कि पुलिस आरोपी को भागने का कोई मौका नहीं देना चाहती थी।

अभी तक पुलिस ने इस मामले में 2 लोगों को गिरफ्तार और 2 को हिरासत में लिया है। मुख्य आरोपी जीतू सैनी फरार है। कुल 10 लोगों के खिलाफ ऋक्रक दर्ज की गई है, जिसमें हत्या, दंगा और अवैध हथियार रखने जैसे गंभीर धाराएं शामिल हैं।

जिम पर बुलडोजर की तैयारी: अवैध निर्माण का नोटिस

पुलिस कार्रवाई के साथ-साथ प्रशासन भी सक्रिय हो गया है। जिस जिम में यह वारदात हुई, उसे बुलंदशहर विकास प्राधिकरण (इऊ्ञ) ने पहले ही सील कर दिया है। जिम के बाहर अवैध निर्माण का नोटिस चस्पा कर दिया गया। जिम मालिक को दस्तावेज जमा करने के लिए आज दोपहर 12 बजे तक का समय दिया गया है। अगर नक्शा स्वीकृत नहीं पाया गया तो आज ही बुलडोजर चलेगा।

इतना ही नहीं, आरोपियों के घरों पर भी इऊ्ञ आज नोटिस चस्पा कर 24 घंटे का समय देगा। यह कार्रवाई अवैध निमार्णों के खिलाफ सख्त रुख का संकेत है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिम का निर्माण नियमों की अनदेखी कर किया गया था, जो अब प्रशासन की नजर में आ गया।

यह मामला सिर्फ आपराधिक नहीं, बल्कि राजनीतिक रंग भी ले चुका है। मारे गए तीनों इखढ सभासद संजय सैनी के परिवार के सदस्य थे। वहीं मुख्य आरोपी जीतू सैनी बसपा के पूर्व नगर अध्यक्ष रह चुका है। दोनों गुटों के बीच पहले से ही स्थानीय स्तर पर तनाव की खबरें थीं। हालांकि, पुलिस अभी इसे व्यक्तिगत विवाद बता रही है, लेकिन स्थानीय राजनीतिक जानकार इसे क्षेत्रीय दबदबे की लड़ाई से भी जोड़ रहे हैं। संजय सैनी ने स्पष्ट कहा कि उनका परिवार सिर्फ पार्टी में शामिल होने गया था। कोई पुरानी दुश्मनी नहीं थी। फिर भी, यह घटना यूपी की सैनी बिरादरी के अंदर की खींचतान को उजागर करती है।

क्यों छोटी बात पर हिंसा? यूपी पुलिस की रणनीति क्या कहती है?

यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि छोटी-सी बात, जैसे केक लगाना - कैसे अहंकार, शराब और अवैध हथियारों के मिश्रण से खूनी संघर्ष में बदल जाती है। बुलंदशहर जैसे इलाकों में जिम और पार्टी स्पॉट अक्सर युवाओं के जमावड़े का केंद्र होते हैं। जहां दोस्ती का मजाक अचानक दुश्मनी बन जाता है।

यूपी पुलिस की इस मुठभेड़ ने राज्य की 'एनकाउंटर पॉलिसी' को फिर याद दिलाया। जब आरोपी पुलिस पर हमला करता है और भागने की कोशिश करता है, तो जवाबी कार्रवाई की जाती है। सीओ शोभित कुमार का बयान साफ है - पुलिस ने जान बचाने के लिए फायरिंग की। मयंक को अस्पताल में भर्ती कराया गया, यानी उसे मारने का इरादा नहीं था, बल्कि काबू में लाने का।

'हिंदू राष्ट्र जरूर बनेगा भारत', पत्नी के आरोपों को झेल रहे महाभारत के श्रीकृष्ण का बड़ा बयान

(जीएनएस)।

बाबा बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री की कथा प्रयागराज में आयोजित की गई.। जिसमें बी.आर. चोपड़ा की 'महाभारत' के प्रसिद्ध कलाकारों ने हिस्सा लिया। हिंदू धर्म की पैरवी करते हुए भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की हमेशा बात करने वाले पंडित धीरेंद्र शास्त्री के इस कार्यक्रम में महाभारत में कृष्ण का किरदार निभाने वाले नितीश भारद्वाज भी मौजूद थे।

पिछले दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहे नितीश भारद्वाज ने इस कार्यक्रम में भगवत गीता का जिक्र कर हिंदू राष्ट्र की अवधारणा का समर्थन किया है। इसके साथ ही हिंदू धर्म की रक्षा और देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की पैरवी की।

नितीश भारद्वाज ने भगवद् गीता का श्लोक का जिक्र करते बोली ये बात

नितीश भारद्वाज ने इस कार्यक्रम में कहा, "मित्रों, महाभारत आज भी चल ही रही है। लेकिन अलग तरह की चल रही है। धर्म की रक्षा की आवश्यकता फिर से पड़ गई है। ये कलियुग है।" श्रीमद्भगवद्गीता का श्लोक याद दिलाते हुए कहा, "इस समय जब धर्म रक्षा और विजय की आस लेकर तुम्हारे सामने खड़ा है, ऐसे समय में निराशा के भाव को अपने मन में आने नहीं देना है। आज परिस्थितियां वैसी ही हैं। भारत और

विदेशों में भी। तरह-तरह की शक्तियां काम कर रही हैं। हिंदू धर्म पर आक्रमण हो रहा है।"

"केवल एक धर्म है - हिंदू धर्म"

नितीश भारद्वाज ने इस बात पर जोर दिया कि "जो आदि-अनादि काल से चला आ रहा है वो केवल एक धर्म है - हिंदू धर्म।" भारद्वाज ने स्पष्ट किया कि इस संस्कृति का अस्तित्व बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, और यदि सनातन वैदिक हिंदू व्यवहार नहीं होता तो अन्य धर्म यहां फलते-फूलते नहीं, न ही आज इनकी हिंदू धर्म पर टिप्पणी करने की हिम्मत होती।

"हिंदू धर्म बांटने का काम नहीं करता"

नितीश भारद्वाज ने भगवद् गीता के उपदेशों का उल्लेख करते हुए समझाया कि हिंदू धर्म बांटने का काम नहीं करता, बल्कि प्रेम का संदेश देता है। उन्होंने कहा, "इसलिए हमारे बीच सिर्फ प्रेम होना चाहिए। जो हमसे प्रेम करेगा हम उन्हीं से करेंगे, वरना हमें छत्रपति शिवाजी महाराज भी बनना आता है। क्योंकि धर्म की रक्षा हमारा कर्तव्य है।"

दुर्योधन' का किरदार निभाने वाले पुनीत इस्सर क्या बोले?

महाभारत में 'दुर्योधन' का किरदार निभाने वाले पुनीत इस्सर भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे। उन्होंने भी कहा ऐसी सभाएं हिंदू समाज की जागृति का प्रतीक हैं और भारत निश्चित रूप से एक हिंदू राष्ट्र बनेगा। उन्होंने लोगों, विशेषकर माता-पिता से अपील की कि वे अपने बच्चों को धर्म के बारे में आवश्यक जानकारी दें। उन्होंने लव-जिहाद और जबरन धर्म परिवर्तन के मामलों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बहू-बेटियों को बहलाकर उनका धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है, जिससे सतर्क रहने की जरूरत है, और किसी भी स्थिति में ऐसा नहीं होने देना चाहिए।

नितीश भारद्वाज और पत्नी के बीच क्या है विवाद?

नितीश भारद्वाज इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर विवादों में रहे हैं। उनकी दूसरी पत्नी, क्रअर अधिकारी स्मिता गेट के साथ लंबे समय से वैवाहिक विवाद चल रहा है, जो तलाक और बच्चों की कस्टडी तक पहुंच चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारद्वाज ने पत्नी पर मानसिक उत्पीड़न और उन्हें अपनी जुड़वां बेटियों से दूर रखने के आरोप लगाए, यहां तक कि पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई। वहीं उनकी पत्नी ने इन आरोपों को "झूठा और दुर्भावनापूर्ण" बताते हुए पलटवार किया और उन पर छवि खराब करने का आरोप लगाया।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

यूएस-ईरान तनाव में आ रही थोड़ी नरमी संकेत से बढ़ रही डील होने की संभावना

पिछले कुछ दिनों के घटनाक्रम से उम्मीद जगी है कि अगले कुछ दिनों में अमेरिका-ईरान में कोई डील हो जाए और युद्ध भविष्य में होने से टल जाए। जिस तरह से ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची 48 घंटे में दो बार इस्लामाबाद गए, वहां से मस्कट (ओमान) गए और वहां से मास्को गए उससे तो लगता है कि ईरान ने डील की शर्तें तय कर ली हैं और ईरान भी अमेरिका से बातचीत करने को तैयार है। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी थोड़ी नरमी दिखाई और युद्ध विराम को अनिश्चितकाल तक बढ़ा दिया और ईरान के प्रतिनिधिमंडल से इस्लामाबाद में अगले प्रतिनिधिमंडल को भेजने की इजाजत दी उससे साफ है कि ट्रंप इस युद्ध से हर हालत में बाहर निकलना चाहते हैं। वह जानते हैं कि वह यह युद्ध हार चुके हैं। आगे लड़ने के लिए न तो उनमें मादा है और न ही युद्ध लड़ने के संसाधन? ट्रंप की एक बड़ी मजबूरी यह भी है कि उन्हें 2 मई तक अमेरिकी कांग्रेस (संसद) से ईरान युद्ध को जारी रखने के लिए स्वीकृति भी लेनी होगी। जोकि शायद मुश्किल हो। क्योंकि अमेरिका के 63 प्रतिशत नागरिक ट्रंप के इस युद्ध के खिलाफ हैं और वह नहीं चाहते कि अमेरिका इजरायल का युद्ध लड़े।

इसके अलावा अमेरिकी सेना ने स्पष्ट कर दिया है कि उसके पास अब हथियारों का जखीरा आधा हो चुका है और यह वह किसी भविष्य इमरजेंसी के लिए रखना चाहता है। सो मुझे नहीं लग रहा कि ट्रंप में अब मादा है कि यह युद्ध जारी रखें। देखा जाए तो असहमति के भी दो-तीन मुद्दे ही बचे हैं। होर्मुज स्ट्रेट को खोलना, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर वंट्रोल और मिसाइलों को सीमित करना, होर्मुज पर टोल लेना? इत्यादि यही प्रामुख मुद्दे बचे हैं। ईरान के विदेश मंत्री के इतनी बार इस्लामाबाद के चक्कर लगाना यह संकेत देता है कि ईरान भी अब किसी समझौते को चाहता है। ट्रंप को अपने उकसावे वाले फिजूल बयान बंद करने होंगे।

खामखां वह उल्टे सीधे बयान देकर माहौल खराब करते हैं। दो दिन पहले हुए जानलेवा हमले का भी ट्रंप पर जरूर असर पड़ा होगा। सैन्य टकराव से दोनों पक्ष जितना हासिल कर सकते थे, कर लिया है। अमेरिका ने जिन तथ्यों को लेकर जंग छेड़ी थी वे अब भी दूर है और पता नहीं वह लड़ाई से इन्हें पूरा कर भी सकते हैं या नहीं? इसी तरह ईरान को भी अंदाजा होगा कि वह ट्रंप की जिद पर एक सीमा तक ही झुक सकता है। ऐसे में एक ही रास्ता बचा है शांति। तेल और नेचुरल गैस को लेकर इंटरनेशनल एनजा एजेंसी की चेतावनी कि इनकी सप्लाई 2027 तक भी सामान्य नहीं होगी, जंग के गंभीर नतीजों का बस एक पहलू है। गतिरोध लंबा खिचने से वैश्विक मंदी आ सकती है और इसकी सबसे ज्यादा कीमत आम आदमी को चुकानी पड़ती है।

लद्दाख में बड़ा बदलाव, अब 2 नहीं 7 जिले होंगे! जानिए कौन-कौन बने 5 नए जिले?

(जीएनएस)।

लद्दाख में प्रशासनिक ढांचे को लेकर बड़ा फैसला सामने आया है। केंद्र शासित प्रदेश में अब पांच नए जिले बनाए जाएंगे, जिसके बाद यहां जिलों की कुल संख्या दो से बढ़कर सात हो जाएगी। इस घोषणा को लद्दाख के प्रशासनिक इतिहास का अहम मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि लंबे समय से स्थानीय लोग छोटे प्रशासनिक इकाइयों की मांग कर रहे थे।

लद्दाख के उप-राज्यपाल विनय कुमार (वीके) सक्सेना ने इस फैसले को मंजूरी देते हुए इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय केवल सीमाओं के पुनर्गठन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य लोगों तक प्रशासन को और करीब पहुंचाना है।

▶ कौन-कौन से बनेंगे नए जिले?

लद्दाख में जिन पांच नए जिलों के गठन को मंजूरी मिली है, उनमें शामिल हैं: नुब्रा, शाम, चांगथांग, जांस्कर, द्रास

अब तक लद्दाख में केवल दो जिले थे, लेह और कारगिल। नए जिलों के बनने के बाद प्रशासनिक नक्शा पूरी तरह बदल जाएगा और कुल सात जिले अस्तित्व में आ जाएंगे।

▶ क्यों लिया गया यह फैसला?

लद्दाख के दूरदराज और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों को लंबे समय से सरकारी सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कई गांवों के लोगों को छोटी प्रशासनिक जरूरतों के लिए भी लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी।

उप-राज्यपाल ने कहा कि नए जिलों के गठन से प्रशासनिक कामकाज स्थानीय स्तर पर तेज होगा। इससे सरकारी दफ्तर लोगों के करीब आएंगे और जरूरी सेवाएं जल्दी मिल सकेंगी।

इस फैसले की शुरूआत अगस्त 2024 में हुई थी, जब गृह मंत्रालय ने नए जिलों के गठन को मंजूरी दी थी। यह मंजूरी केंद्र सरकार की उस सोच का हिस्सा मानी जा रही है, जिसमें छोटे प्रशासनिक ढांचे के जरिए विकास को गांव और दूरस्थ इलाकों तक पहुंचाने की योजना शामिल है।

उप-राज्यपाल वीके सक्सेना ने बताया कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित और समृद्ध लद्दाख की सोच से जुड़ा हुआ है। प्रशासनिक विकेंद्रीकरण के जरिए लोगों को बेहतर शासन उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

नए जिलों के बनने के बाद प्रशासनिक सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। नए जिला मुख्यालय बनने से डिप्टी कमिश्नर कार्यालय और अन्य सरकारी विभाग भी स्थापित किए जाएंगे।

इसका सीधा फायदा स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक योजनाओं और सरकारी सहायता कार्यक्रमों में देखने को मिल सकता है। लोगों को दस्तावेज, प्रमाण पत्र और सरकारी योजनाओं के लिए अब लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी।

▶ रोजगार और कारोबार पर क्या असर होगा?

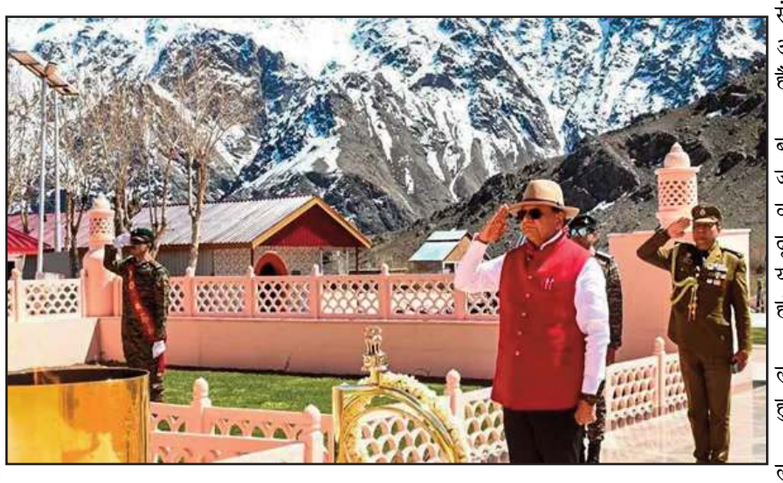

प्रशासन का मानना है कि नए जिलों के गठन से केवल प्रशासनिक सुविधा ही नहीं बढ़ेगी, बल्कि रोजगार और स्थानीय कारोबार को भी बढ़ावा मिलेगा।

जिला मुख्यालय बनने से निर्माण कार्य, नई सरकारी नौकरियां और छोटे व्यवसायों के अवसर पैदा हो सकते हैं। स्थानीय स्तर पर नए दफ्तर खुलने से युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना बढ़ेगी। साथ ही पर्यटन और उद्यमिता से जुड़े क्षेत्रों को भी फायदा हो सकता है।

▶ 2019 के बाद लद्दाख का सबसे बड़ा प्रशासनिक बदलाव

लद्दाख को साल 2019 में केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिला था। उसके बाद यह पहला बड़ा प्रशासनिक बदलाव माना जा रहा है। दो जिलों से बढ़कर सात जिलों तक पहुंचना केवल संख्या बढ़ना नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कदम माना जा रहा है।

प्रशासन का कहना है कि यह फैसला समावेशी विकास की दिशा में उठाया गया कदम है, ताकि लद्दाख के हर क्षेत्र तक सरकारी योजनाओं और सुविधाओं की पहुंच आसान हो सके।

▶ लद्दाख की आबादी कितनी है?

लद्दाख भारत का एक बेहद कम आबादी वाला लेकिन भौगोलिक रूप से बड़ा केंद्र शासित प्रदेश है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, 2011 की जनगणना में लद्दाख की कुल आबादी लगभग 2.74 लाख से 3 लाख के आसपास दर्ज की गई थी। इसमें सबसे ज्यादा आबादी लेह और कारगिल जिलों में रहती है। लेह जिले में करीब 1.33 लाख और कारगिल जिले में लगभग 1.40 लाख लोग रहते हैं।

लद्दाख का क्षेत्रफल करीब 59,146 वर्ग किलोमीटर है, जो इसे भारत के सबसे बड़े केंद्र शासित प्रदेशों में शामिल करता है। लेकिन कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, ऊंचाई, ठंडे रेगिस्तान जैसी जलवायु और सीमावर्ती इलाका होने के कारण यहां जनसंख्या घनत्व बहुत कम है।

लद्दाख में बड़ी संख्या में बौद्ध और मुस्लिम समुदाय रहते हैं। लेह क्षेत्र में बौद्ध आबादी ज्यादा है, जबकि कारगिल में मुस्लिम समुदाय का प्रभाव अधिक है। यहां की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन, सेना से जुड़ी गतिविधियों, कृषि और पशुपालन पर आधारित है।

नए जिलों के गठन के बाद प्रशासनिक डेटा और जनसंख्या प्रबंधन अधिक व्यवस्थित हो सकता है। इससे दूरदराज गांवों तक सरकारी योजनाओं की पहुंच बेहतर होने की संभावना है।

▶ जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का विभाजन कैसे हुआ?

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का प्रशासनिक इतिहास भारत की राजनीति में एक बड़ा मोड़ माना जाता है। 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 और 35अ से जुड़े विशेष प्रावधानों को हटाने का फैसला लिया। इसके साथ ही संसद में जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 पारित किया गया।

इस कानून के तहत पुराने जम्मू-कश्मीर राज्य को दो अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया गया। पहला बना जम्मू-कश्मीर, जिसे विधानसभा के साथ केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिला। दूसरा बना लद्दाख, जिसे बिना विधानसभा वाला केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया।

31 अक्टूबर 2019 से यह नया प्रशासनिक ढांचा लागू हो गया। लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग लंबे समय से चल रही थी। यहां के लोगों का मानना था कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन में लद्दाख की जरूरतों को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं मिलती थी।

लद्दाख के अलग होने के बाद प्रशासनिक फैसले सीधे केंद्र सरकार और उपराज्यपाल कार्यालय के जरिए लागू होने लगे। इससे सीमावर्ती इलाकों में रणनीतिक और प्रशासनिक फैसलों की गति बढ़ी।

▶ 5 नए जिले बनने से क्या बदलाव आएंगे?

लद्दाख में पांच नए जिले बनने से प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। अभी तक लद्दाख में केवल दो जिले थे, लेह और कारगिल। अब नुब्रा, शाम, चांगथांग, जांस्कर और द्रास को अलग जिला बनाए जाने से कुल जिलों की संख्या सात हो जाएगी।

सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि दूरदराज इलाकों के लोगों को सरकारी दफ्तरों तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। पहाड़ी और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, भूमि रिकॉर्ड, प्रमाण पत्र और सरकारी योजनाओं का लाभ तेजी से मिल सकेगा।

नए जिला मुख्यालय बनने से स्थानीय स्तर पर रोजगार भी बढ़ सकता है। प्रशासनिक कार्यालय, पुलिस व्यवस्था, स्वास्थ्य केंद्र और सरकारी ढांचे के विस्तार से स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिल सकती है।

इसके अलावा जिला स्तर पर योजनाओं की निगरानी आसान होगी। छोटे प्रशासनिक इकाइयों में फैसले जल्दी लिए जा सकते हैं। इससे गांवों और ब्लॉकों तक विकास परियोजनाएं तेजी से पहुंच सकती हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि लद्दाख जैसे बड़े और कठिन भौगोलिक क्षेत्र में छोटे जिले प्रशासन को ज्यादा प्रभावी बना सकते हैं। इससे नागरिकों और सरकार के बीच दूरी कम होगी।

'रिंकू नाम ही काफी है', लखनऊ को धूल चटाने के बाद रिंकू सिंह ने दिया दिल जीतने वाला बयान

लखनऊ के खिलाफ मैन ऑफ द मैच बने रिंकू सिंह ने कहा कि संकट के समय उनका लक्ष्य मैच को अंत तक ले जाना था। रिंकू सिंह ने इस मैच के खत्म हो जाने के बाद एक बड़ा बयान दिया है।

(जीएनएस)।

लखनऊः लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ इकाना स्टेडियम में बल्ले से तबाही मचाने और फील्डिंग में सुपरमैन बनने वाले रिंकू सिंह को उनकी जादुई पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। केकेआर को हार के मुंह से बाहर निकालकर जीत दिलाने वाले रिंकू ने मैच के बाद अपनी रणनीति और बाउंड्री पर लपके गए उस हैरतअंगेज कैच पर खुलकर बात की।

संकटमोचक नाम पर दिया प्यारा जवाब

मैच के बाद जब रिंकू सिंह से पूछा गया कि क्या अब उनका नाम बदलकर 'रिंकू संकटमोचक' रख देना चाहिए, तो उन्होंने बड़ी विनम्रता से मुस्कुराते हुए कहा, 'नहीं, रिंकू नाम ही ठीक है।' रिंकू ने बताया कि जब वह बल्लेबाजी करने आए थे, तब टीम के चार विकेट गिर चुके थे और स्थिति बेहद नाजुक थी। उनके दिमाग में सिर्फ एक ही बात चल रही थी कि कैसे खेल को अंत तक ले जाया जाए। उन्होंने अपनी रणनीति साझा करते हुए कहा कि विकेट गिरने के बाद उनका ध्यान स्कोरबोर्ड को चलाने और खराब गेंदों को बाउंड्री के बाहर भेजने पर था।

बल्लेबाजी के साथ फील्डिंग का भी दिखाया जलवा

रिंकू सिंह ने इस मैच में न केवल 83 रनों की पारी खेली, बल्कि फील्डिंग में भी चार शानदार कैच लपके। अपनी चुस्त फील्डिंग पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे बचपन से ही फील्डिंग करना बहुत पसंद है। मैं फिट हूं और मैदान पर फील्डिंग का पूरा आनंद लेता हूं।' रिंकू की फिटनेस ही थी जिसने उन्हें पूरे मैच के दौरान चौकन्ना रखा, जिसका फायदा कोलकाता को मैच के सबसे महत्वपूर्ण मौकों पर मिला।

सुपर ओवर के उस जादुई कैच की इनसाइड स्टोरी

सुपर ओवर में रोवमैन पॉवेल द्वारा उनकी ओर उछाले गए कैच को लेकर रिंकू ने एक दिलचस्प खुलासा किया। रिंकू ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं उस कैच के लिए तैयार नहीं था। मुझे लगा था कि पॉवेल खुद ही कैच पूरा कर लेंगे, लेकिन जब उन्होंने बाउंड्री के पास से गेंद को मेरी तरफ जोर से फेंका, तब मैंने खुद को संभाला और उसे लपकने में कामयाब रहा।' रिंकू के इस कैच ने ही सुपर ओवर में लखनऊ की पारी को सिर्फ 1 रन पर समेटने में बड़ी भूमिका निभाई।

क्या 'दीदी' चौथी बार बनेंगी सीएम? मशहूर ज्योतिषी ने कर दी बड़ी भविष्यवाणी

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल में पहले चरण का मतदान गुरुवार को सफलता पूर्वक संपन्न हुआ, फर्स्ट फेज में 152 सीटों पर बंपर वोटिंग हुई है। सीएम ममता ने जहां मतदान के बाद ये कहा कि 'रक्फ की वजह से इतने ज्यादा वोट पड़े हैं, दावे के साथ कह रही हूं कि हमारी पार्टी 4 मई तो सफलतापूर्वक सत्ता में वापसी करेगी।'

तो वहीं शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि 'बंगाल में 4 मई को भाजपा की सरकार बनने जा रही है। हम कल हुए मतदान की 152 सीटों में से 110 सीटें जीत रह हैं।' आपको बता दें कि 23 अप्रैल को बंगाल में 92.64 फीसदी वोटिंग हुई है जबकि 29 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान के बाद चुनावी नतीजे सामने आएंगे।

फिलहाल किसके दावे सच निकलते हैं? ये तो चुनावी नतीजों से पता चलेगा लेकिन इसी बीच देश के जाने-माने ज्योतिषी विवेक त्रिपाठी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वो धर्मज्ञान चैनल पर ममता बनर्जी के आने वाले समय को लेकर बड़ी भविष्यवाणी करते नजर आ रहे हैं।

चुनौती भरा है साल 2026'

उन्होंने अपनी गणना के आधार पर बताया है कि 'ममता बनर्जी इस साल के चुनाव में सफल नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के सिग्नेचर से पता चलता है कि वो एक डिप्लोमेटिक महिला हैं और उनका अच्छा वक्त बीत चुका है और आना वाल समय अब उन्हें डाउनफॉल की ओर लेकर जाएगा।'

'2026 का चुनाव ममता बनर्जी नहीं जीत पाएंगी', ज्योतिषी का दावा

विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि 'उट ममता का सिग्नेचर बता रहा है कि ये लोग अपनी इरादों के काफी पक्के होते हैं और इनका शादी-शुदा जीवन या तो होता नहीं या फिर लंबा चलता नहीं। ममता बनर्जी के मामले में ये बात पूरी तरह से सही साबित होती है।'

उन्होंने कहा कि 'इनके सिग्नेचर से पता चलता है कि वो एक डिप्लोमेटिक महिला हैं और उनका अच्छा वक्त बीत चुका है और आना वाल समय अब उन्हें डाउनफॉल की ओर लेकर जाएगा।'

'2026 का चुनाव ममता बनर्जी नहीं जीत पाएंगी', ज्योतिषी का दावा

विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि 'उट ममता का सिग्नेचर बता रहा है कि ये लोग अपनी इरादों के काफी पक्के होते हैं और इनका शादी-शुदा जीवन या तो होता नहीं या फिर लंबा चलता नहीं। ममता बनर्जी के मामले में ये बात पूरी तरह से सही साबित होती है।'

उन्होंने कहा कि 'इनके सिग्नेचर से पता चलता है कि वो एक डिप्लोमेटिक महिला हैं और उनका अच्छा वक्त बीत चुका है और आना वाल समय अब उन्हें डाउनफॉल की ओर लेकर जाएगा।'

ये भी इंगित कर रहा है कि जनवरी 2026 के बाद से इनका टाइम अच्छा नहीं चल रहा और साल 2028 से ये बीमार भी रहेंगी इसलिए मैं दावे के साथ कह रहा हूं कि साल 2026 का चुनाव ममता बनर्जी नहीं जीत पाएंगी और बीजेपी की बंगाल पर शानदार विजय होगी।'

कौन हैं विवेक त्रिपाठी?

विवेक त्रिपाठी देश के जाने माने ज्योतिषी, हैं, इनकी किसी के सिग्नेचर को देख कर उसके आने वाले कल के बारे में बताने की कला अपने आप में अद्भुत है। ये सोशल मीडिया पर भी बहुत ज्यादा लोकप्रिय हैं। उनकी विशेषता यह मानी जाती है कि वे जटिल ज्योतिषीय अवधारणाओं को सरल भाषा में समझाते हैं, जिससे आम लोग अपनी समस्याओं को समझें और अच्छे से उससे निपटें।

सिग्नेचर एस्ट्रोलॉजी क्या है?

सिग्नेचर का अर्थ है विशेष पहचान। इसका मतलब है कि हर व्यक्ति की कुंडली में कुछ खास पैटर्न, योग या ग्रहों की स्थिति होती है, जो उसके जीवन का सिग्नेचर बनाती है। यह पारंपरिक ज्योतिष शास्त्र को समझाने का एक मॉडर्न और पर्सनलाइज्ड तरीका है, जिसमें ज्योतिषी हर व्यक्ति की कुंडली को यूनिक मानते हुए पर्सनलाइज्ड एनालिसिस करते हैं और जीवन की समस्याओं के लिए कस्टमाइज्ड उपाय देते हैं। ममता बनर्जी का बतौर सीएम अब तक का सफर निम्नलिखित है। पहला कार्यकालः 20 मई 2011 - 26 मई 2016 दूसरा कार्यकालः 27 मई 2016 - 4 मई 2021 तीसरा कार्यकालः 5 मई 2021 - वर्तमान (अब तक)

कौन है वह लड़की जिसने खींचा अभिषेक शर्मा का हाथ? क्यों की थी ऐसी हरकत, खुद सामने आकर दी सफाई

(जीएनएस)।

सनराइजर्स हैदराबाद के धुआंधार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया के हर प्लेटफॉर्म पर छाया हुआ है जिसमें एक लड़की भीड़ के बीच उनका हाथ खींचती नजर आ रही है। इस वीडियो के सामने आने के बाद क्रिकेट प्रेमी काफी भड़क गए और लड़की की पहचान को लेकर सवाल उठने लगे।

जांच-पड़ताल के बाद सामने आया कि अभिषेक शर्मा का हाथ खींचने वाली लड़की का नाम हिमशिखा त्रिपाठी है जो खुद को अभिषेक का बहुत बड़ा प्रशंसक बताती है। उसने इस पूरी घटना का वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था जिस पर बाद में विवाद खड़ा हो गया।

घटना के पीछे की पूरी सच्चाई

इस वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि अभिषेक शर्मा सुरक्षा घेरे में आगे बढ़ रहे थे तभी हिमशिखा ने अचानक उनका हाथ पकड़कर अपनी ओर जोर से खींच लिया। इस अप्रत्याशित हरकत से अभिषेक काफी असहज दिखे और सुरक्षाकर्मियों को तुरंत बीच-बचाव करना पड़ा। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस व्यवहार को गलत बताया और इसे खिलाड़ी की प्राइवेसी का उल्लंघन करार दिया।

विवाद को बढ़ता देख और लोगों की नाराजगी को देखते हुए हिमशिखा ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी और एक लंबा स्पष्टीकरण जारी किया।

सफाई में लड़की ने पेश किया अपना पक्ष

हिमशिखा ने अपनी सफाई में कहा है कि चीजें हमेशा वैसी नहीं होती जैसी इंटरनेट पर दिखाई देती हैं। उसने बताया कि वह अभिषेक शर्मा की तब से प्रशंसक है जब वह इतने ज्यादा मशहूर भी नहीं हुए थे। उस दिन वह केवल उनसे हाथ मिलाना चाहती थी लेकिन वहां बहुत ज्यादा भीड़ थी। भीड़ के दबाव और धक्का-मुक्की के बीच रास्ता बनाने की कोशिश में उसने गलती से हाथ मिलाने के बजाय उनका हाथ पकड़ लिया। हिमशिखा का कहना है कि यह सब इतनी जल्दी हुआ कि उसे कुछ समझ नहीं आया और वह घबरा गई थी जिसके तुरंत बाद उसके भाई ने उसे पीछे खींच लिया था।

नफरत न फैलाने की अपील और माफी

अपने नोट में उसने आगे लिखा कि उसने उस पल को खास मानकर वीडियो पोस्ट किया था और उसे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि यह इस तरह वायरल हो जाएगा या लोग इसका गलत मतलब निकालेंगे। हिमशिखा ने दुख जताते हुए कहा कि लोग बिना सच्चाई जाने उसके बारे में राय बना रहे हैं और नफरत फैला रहे हैं जो उसे काफी परेशान कर रहा है। उसने साफ किया कि उसका इरादा कभी भी गलत नहीं था। अंत में उसने यह कहते हुए माफी मांगी कि अगर उसकी इस हरकत से किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है तो उसे इसका खेद है और उसने इसे केवल एक क्रेजी फैन मोमेंट बताया।

क्या फिर 'गुड न्यूज' देने वाली हैं बेबो? करीना कपूर के वायरल वीडियो को देख फैंस हुए शॉक

(जीएनएस)।

सोशल मीडिया पर इन दिनों करीना कपूर खान को लेकर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने फैंस के बीच हलचल बढ़ा दी है। वीडियो में करीना का लुक और उनका अंदाज देखकर कई यूजर्स यह कयास लगाने लगे कि शायद वह एक बार फिर मां बनने वाली हैं। देखते ही देखते यह क्लिप इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गई।

कमेंट सेक्शन में "गुड न्यूज" से लेकर तीसरी प्रेग्नेंसी तक की बातें शुरू हो गईं। इतना ही नहीं, तैमूर अली खान की एक पुरानी तस्वीर भी वायरल होने लगी, जिसमें वह एक न्यूबॉर्न बेबी को गोद में लिए नजर आ रहे हैं। इसके बाद करीना की तीसरी प्रेग्नेंसी की अफवाहों ने और जोर पकड़ लिया।

फिर से आने वाली है करीना के घर खुशखबरी?

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोगों को साफ तौर पर लग रहा था कि करीना कपूर खान प्रेग्नेंट हैं। वीडियो सामने आते ही फैंस के मन में कई सवाल उठने लगे- क्या वह तीसरी बार मां बनने वाली हैं? इस क्लिप को देखकर यूजर्स लगातार कयास लगाने लगे और कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की बातें शुरू हो गईं। किसी ने इसे "गुड न्यूज" बताया तो कोई इसे लेकर कन्फ्यूज नजर आया।

हालांकि, बाद में इस वायरल वीडियो की सच्चाई सामने आई और सारी अटकलों पर विराम लग गया। दरअसल, यह वीडियो साल 2016 का है, जब करीना अपने पहले बच्चे को कंसीव कर चुकी थीं और उसी दौरान की उनकी झलक है। यानी फिलहाल उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर जो बातें वायरल हो रही हैं, वे पूरी तरह भ्रामक हैं और पुरानी वीडियो की वजह से फैल रही हैं।

दो बच्चों की मां करीना को लेकर क्यों उड़ रही हैं प्रेग्नेंसी की अफवाहें

सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो ने अचानक हलचल मचा दी है, जिसे देखकर लोग दावा करने लगे कि करीना कपूर खान ने अपने तीसरे बच्चे को जन्म दे दिया है। वीडियो के साथ एक तस्वीर भी तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें तैमूर अली खान एक न्यूबॉर्न बेबी को गोद में लिए नजर आ रहे हैं। इस क्लिप और तस्वीर को देखकर यूजर्स तरह-तरह के कयास लगाने लगे और सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई।

हालांकि, बाद में इस वायरल तस्वीर और वीडियो की सच्चाई सामने आई और पता चला कि यह फोटो करीब एक साल पुरानी है, जिसे उनकी फ्रेंड नैना शॉनी ने क्लिक किया था। यानी यह दावा पूरी तरह भ्रामक निकला और करीना की तीसरी प्रेग्नेंसी की खबर सिर्फ अफवाह साबित हुई।

जब 'नवाब' और 'बेबो' ने रचाई थी शाही शादी

16 अक्टूबर 2012 को सैफ अली खान ने अभिनेत्री करीना कपूर खान से लगभग पांच साल के रिलेशनशिप के बाद मुंबई के बांद्रा में एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी की। इसके बाद इस कपल ने मुंबई के ताज महल पैलेस होटल और दिल्ली के लुटियंस बंगला जोन में भव्य रिसेप्शन भी होस्ट किया,

लखनऊ में स्मार्ट मीटर हटवाने गईं महिलाओं से हाथापाई, पावर हाउस घेरा-ताला जड़ा; अधिकारी-कर्मचारी भागे

लखनऊ , (जीएनएस)।

लखनऊ में स्मार्ट मीटर हटाने की मांग को लेकर महिलाओं ने पावर हाउस पर प्रदर्शन किया। हाथापाई के आरोप के बाद गेट पर ताला जड़ दिया गया। दूसरी ओर शहर के कई इलाकों में लंबी बिजली कटौती और पानी संकट से लोग परेशान रहे। गर्मी में हालात और बिगड़े।

स्मार्ट मीटर हटवाने के लिए सोमवार को इंदिरानगर के सेक्टर 25 पावर हाउस पहुंचीं महिलाओं के साथ कर्मियों ने हाथापाई कर दी। उपखंड अधिकारी सुजीत कुमार महिलाओं से बात करने के बजाय वहां से चले गए। इससे गुस्साईं महिलाओं ने कार्यालय के मुख्य गेट पर आधा घंटे तक तालाबंदी कर प्रदर्शन किया।

सोमवार दोपहर 2:30 बजे जनवादी महिला समिति की तरफ से बस्तौली, समौद्दीपुर व गाजीपुर की करीब 70 महिलाओं ने मधु गर्ग की अगुवाई में स्मार्ट मीटर हटाने की मांग को लेकर पहले पावर हाउस के बाहर प्रदर्शन किया।

इन्हें प्रदर्शन करते देखकर कर्मियों ने उपकेंद्र परिसर का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया, जिसे महिलाओं ने धक्का देकर खोल दिया और अंदर घुसकर नारेबाजी करने लगीं। आरोप है कि इस दौरान कर्मियों ने उनके साथ हाथापाई की। बाद में कर्मियों ने उन्हें उपखंड अधिकारी कार्यालय भेजा, लेकिन अधिकारी वहां से जा चुके थे।

महिलाओं का कहना था कि उपभोक्ता की मर्जी के बिना स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। इससे बिजली बिल अप्रत्याशित रूप से बढ़े हुए आ रहे हैं। आए दिन बैलेंस न होने पर बिजली कटौती भी होती है। महिलाओं से हाथापाई के बाद चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे और ज्ञापन लिया। एक्सईएन एपी सिंह ने बताया कि उपखंड अधिकारी ने उन्हें सूचित किया था कि महिलाओं का ज्ञापन लेकर उन्हें मीटर इकाई में विरोध दर्ज कराने की जानकारी देकर भेज दिया गया है।

100 परिवारों का 20 घंटे बिजली-पानी गुल, हंगामा

अंबेडकर उपकेंद्र के तहत इलाकों में 100 परिवारों का 20 घंटे तक बिजली और पानी गुल रहा। इससे लोगों ने त्राहि-त्राहि मच गई। लोगों को 100-100 दूर से पानी लाकर काम चलाना पड़ा। इसके विरोध में उपभोक्ताओं ने ट्रांसफार्मर स्थल पर खूब हंगामा किया। यहां के लोग पिछले हफ्ते भर से बिजली संकट झेल रहे हैं। हालांकि, बिजली संकट का दूर करने के लिए सोमवार को ट्रांसफार्मर की क्षमता 100 से बढ़ाकर 250 केवीए की जा रही है।

पंचमखेड़ा, चरण भट्ठा रोड, रॉयल सिटी सहित आसपास के उपभोक्ताओं ने बताया कि बीते रविवार रात 11 बजे अचानक 100 केवीए के ट्रांसफार्मर से एक फेज की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। उपकेंद्र पर शिकयत दर्ज कराई, मगर रात को समस्या का समाधान नहीं किया। पीड़ित लोग पूरी रात बिना बिजली के रहे। सुबह 11 बजे के बाद 250 केवीए के ट्रांसफार्मर को लगाने की प्रक्रिया शुरू हुई, जो सोमवार रात 8 बजे के बाद पूरी हो सकी।

रविवार रात से सोमवार रात तक करीब 20 घंटे 100 परिवार के लोग बिन बिजली छटपटाते रहे, और जिम्मेदार अपनी ही रफ्तार से काम करते रहे। 40 डिग्री की गर्मी में परिवार के लोगों को बिजली नहीं मिली, उल्टे दूर से पानी को ढोना पड़ा। एसडीओ महेंद्र कुमार ने बताया कि ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ने से अब लोगों को राहत मिलेगी।

50 हजार की आबादी बिजली को तरसी

काकोरी। एफसीआई उपकेंद्र के बुद्धेश्वर, नरौना, वादर खेड़ा, सलेमपुर पतौरा और शांति नगर कॉलोनी आदि की 50 हजार की आबादी सोमवार को सुबह से तीन राउंड बिजली को तरस गई।

एसडीओ संदीप वर्मा ने बताया कि सुबह 6 से 7:30 बजे तो पहले 33 केवी लाइन में फॉल्ट आ गया, जिससे सभी 21 हजार उपभोक्ताओं की बत्ती गुल हो गई। इसके बाद लाइन व पॉवर ट्रांसफार्मर के ओवर लोड होने के कारण सुबह 11:30 से दोपहर 12:30 बजे तक बिजली बंद रही। इसके बाद नई लाइन को उपकेंद्र से जोड़ने के लिए शाम को भी बिजली आपूर्ति को बंद किया गया था। नई लाइन के चालू होने से ओवर लोडिंग की समस्या हल होगी जिससे संकट दूर होगा।

मांग का आंकड़ा 1700 मेगावाट पार

प्रचंड गर्मी के चलते बिजली की मांग का आंकड़ा सोमवार को 1700 मेगावाट को पार कर गया। 10 दिन के भीतर बिजली मांग करीब 500 मेगावाट बढ़ चुकी है। बिजली की यह मांग एसी, कूलर आदि के इस्तेमाल बढ़ने से हुई है।

यहां भी बिजली संकट का दौर रहा

राजाजीपुरम के मीना बेकरी के पास सुबह 9:30 से दोपहर 1:30 बजे तक

नादरगंज, सैनिक विहार, नटकुर सहित 20 गांव में सुबह से रात तक व्यवधान

माल में अनुरक्षण के कारण कस्बे व 150 गांवों की बिजली आपूर्ति काटी

यहियागंज, नादान महल रोड, बावर्ची टोला में बिजली की आंखमिचौली

नक्खास बाजार, खोखी टोला के 200 दुकानों का एक फेज न आने से अंधेरा

जानकीपुरम, जानकीपुरम विस्तार, आईआईएम रोड, इंदिरानगर में आपूर्ति ठप

आशियाना, कानपुर रोड, आलमबाग, चारबाग, हुसैनगंज में रहा संकट

ट्रंप का चीन पर बड़ा प्रहार! ड्रैगन की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी पर बैन, बीजिंग में हड़कंप

(जीएनएस)।

डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनते ही ईरान की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ने के लिए चीन की दिग्गज कंपनी 'हेंगली पेट्रोकेमिकल' पर कड़ा दांव खेला है। अमेरिका का मानना है कि ईरान अपने तेल से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल मिडिल ईस्ट में अस्थिरता फैलाने और परमाणु हथियार बनाने में कर रहा है।

चूंकि चीन ईरान का सबसे बड़ा ग्राहक है, इसलिए ट्रंप प्रशासन ने सीधे चीन की सबसे बड़ी रिफाइनरी पर ही बैन लगा दिया। यह कदम न केवल ईरान को मिलने वाले फंड को रोकने के लिए है, बल्कि चीन को यह चेतावनी भी है कि वह अमेरिकी प्रतिबंधों को हल्के में न ले।

हेंगली रिफाइनरी पर ही एक्शन क्यों?

हेंगली पेट्रोकेमिकल चीन की एक बहुत बड़ी रिफाइनरी है, जो हर दिन लाखों बैरल तेल प्रोसेस करती है। अमेरिकी खुफिया विभाग के अनुसार, यह कंपनी 2023 से लगातार ईरान से कच्चा तेल खरीद रही है। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि अगर इस बड़ी रिफाइनरी पर ताला या पाबंदी लगा दी जाए, तो ईरान के तेल के लिए कोई बड़ा खरीदार नहीं बचेगा। इससे ईरान की कमाई का मुख्य रास्ता बंद हो

जाएगा, जो सीधे तौर पर वहां की सरकार को कमजोर करेगा।

ईरान का 'शैडो फ्लीट' क्या है?

ईरान अपना तेल दुनिया भर में बेचने के लिए चोरी-छिपे जहाजों का एक नेटवर्क चलाता है, जिसे 'शैडो फ्लीट' या गुप्त बेड़ा कहा जाता है। ये जहाज अपनी पहचान छुपाकर और अंतरराष्ट्रीय नियमों को ताक पर रखकर तेल सप्लाई करते हैं। अमेरिका ने हेंगली के साथ-साथ इन 40 टैंकरों और शिपिंग कंपनियों पर भी बैन लगाया है। ट्रंप की रणनीति इन 'भूतिया जहाजों' को पकड़ने की है ताकि ईरान का तेल समुद्र से बाहर निकल ही न पाए और उसकी सप्लाई चेन टूट जाए।

चीन की कड़ी प्रतिक्रिया और विरोध

चीन ने इस अमेरिकी कार्रवाई को अपनी संप्रभुता पर हमला बताया है। बीजिंग का कहना है कि वे किसी भी देश के एकतरफा प्रतिबंधों को नहीं मानते और ईरान के साथ उनका व्यापार पूरी तरह कानूनी है। चीन ने साफ कर दिया है कि वह अपने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए हर कदम उठाएगा। इस टकराव से चीन और अमेरिका के रिश्तों में कड़वाहट और बढ़ गई है, जिससे आने वाले समय में दोनों महाशक्तियों के बीच एक बड़ा ट्रेड वॉर या कूटनीतिक तनाव देखने को मिल सकता है।

मिडिल ईस्ट में शांति और अमेरिकी रणनीति

अमेरिका के वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट के अनुसार, इन प्रतिबंधों का बड़ा मकसद मिडिल ईस्ट में शांति लाना है। अमेरिका का तर्क है कि ईरान को तेल से जो पैसा मिलता है, उसी से वह अपनी सेना और दूसरे विद्रोही गुटों की मदद करता है। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि वित्तीय शिकंजा कसने से ईरान अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं को छोड़ने पर मजबूर होगा। यह बैन सिर्फ एक रिफाइनरी पर नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक संदेश है कि ईरान के साथ व्यापार करना महंगा पड़ेगा।

कौन हैं नवजोत खोसा? क्यों हो रही है सोशल मीडिया पर चर्चा? खूबसूरत है डॉ. से आईएएस बनने तक का सफर

(जीएनएस)।

आज सुबह से सोशल मीडिया पर IAS नवजोत खोसा काफी चर्चित हैं, दरअसल अठक से बात करते हुए नवजोत खोसा ने पंजाब की जनगणना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि 'पंजाब में जनगणना 2027 जल्द ही शुरू होने वाली है, जो 30 अप्रैल से 14 मई तक चलेगी।' आपको बता दें कि नवजोत खोसा इस वक्त पंजाब जनगणना की निदेशक हैं।

नवजोत ने कहा कि 'जनगणना करने वाले 15 मई से 13 जून के बीच घर-घर जाकर जानकारी इकट्ठा करेंगे, सभी कर्मी जब आपके घर आएंगे, तो उनके पास एक पहचान पत्र होगा, जिस पर एक दफकोड होगा।'

'इस कोड की मदद से आप उनके बारे में पूरी जानकारी हासिल कर सकेंगे और यह पुष्टि कर पाएंगे कि वे सही व्यक्ति हैं या नहीं, वे आपसे किसी भी तरह के दस्तावेज या डळढ की मांग नहीं करेंगे और यह पूरी प्रक्रिया बिल्कुल निःशुल्क होगी।'

सोशल मीडिया पर छा रहीं

नवजोत खोसा तो अपनी बात कहकर आगे बढ़ गईं लेकिन सोशल मीडिया पर वो चर्चित हो गईं। लोग उनके लहजे, सादगी और शालीनता की तारीफ करने लगे। आपको बता दें कि नवजोत खोसा केरल कैडर की 2012 बैच की आईएएस अधिकारी हैं और मूलरूप से पंजाब की बठिडा से ताल्लुक रखती हैं।

13 जून 1983 को जन्मी नवजोत ने पंजाब के बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से बीडीएस की डिग्री प्राप्त की थी, उनके पिता जगतार सिंह खोसा एक निजी कंपनी में उच्च पद पर कार्यरत थे, उन्होंने बताया कि नवजोत बचपन से ही काफी होशियार और मेधावी थीं।

डॉक्टर बनने के बाद उनके मन में प्राईवेट प्रैक्टिस करने के बजाय देश सेवा की भावना जागी और इसलिए उन्होंने वढरउ की तैयारी शुरू की और दिल्ली की कोचिंग संस्थान में एडमिशन लिया और रात-दिन एक कर दिया और साल 2012 में वढरउ क्लियर किया, जिसमें उन्हें केरल कैडर मिला।

कई उच्च पदों पर रह चुकी हैं

वो इस वक्त गृह मंत्रालय के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त के अधीन चंडीगढ़, पंजाब में निदेशक (जनगणना संचालन) के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले वे जिला कलेक्टर, जिला मजिस्ट्रेट, प्रबंध निदेशक, उप सचिव, खाद्य आयुक्त, उप कलेक्टर और सहायक कलेक्टर जैसे पदों पर रह चुकी हैं।

लखनऊ में जनगणना प्रशिक्षुओं के खाने में मिले कीड़े, नाराज ट्रेनीज ने थालियां फेंक किया प्रदर्शन; महराजगंज रऊट बेखबर

रायबरेली के शिवगढ़ में जनगणना प्रशिक्षुओं को दिए गए भोजन में कीड़े मिलने से हड़कंप मच गया। नाराज प्रशिक्षार्थियों ने खाना फेंककर प्रदर्शन किया,

(जीएनएस)।

शिवगढ़ (रायबरेली)। लखनऊ में जनगणना प्रशिक्षुओं के लिए कूड़ेवाली गाड़ी में भोजन लाए जाने का मामला अभी गर्म ही है। इसी बीच यहां भी निम्न स्तर का भोजन देने पर बवंडर मच गया। बताया जाता है कि 200 से अधिक प्रगणक व सुपरवाइजरों के लिए लाए गए भोजन में कीड़ा निकल आया।

यह देखते ही लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज प्रशिक्षार्थियों ने भोजन को फेकवा दिया और परिसर में ही प्रदर्शन किया। इतनी बड़ी घटना के बावजूद महराजगंज के एसडीएम प्रकरण से

अंजान बने रहे।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय व आरडीआरके पब्लिक स्कूल में 200 से अधिक प्रगणक व सुपरवाइजर को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षुओं ने बताया कि सोमवार की सुबह नाश्ते में उन्हें पांच रुपये वाला एक-एक बिस्कुट और चाय दी गई। दोपहर में भोजन की थाली में दाल, सूखी सब्जी, चावल सलाद और अचार दिया गया।

खाने से आई तेज दुर्गंध

थाली का ढक्कन हटाते ही खाने से तेज दुर्गंध आने लगी। ध्यान से देखा गया तो भोजन में कीड़े रेंग रहे थे। यह नजारा देख सभी ने भोजन फेंक दिया। प्रशिक्षण ले रहे विशाल तिवारी, नितिन, प्रीतू सिंह अनुसुइया वर्मा, जयंती देवी, एजाज अहमद, देवेंद्र प्रताप सिंह, आलोक कुमार, संतोष कुमार, दिनेश कुमार वर्मा, विश्वनाथ प्रताप दुबे, दिनेश सिंह ने बताया कि सड़ा हुआ बासी भोजन दिया गया है।

मामले में महराजगंज के उप जिलाधिकारी गौतम प्रकाश का कहना है की उन्हें जानकारी ही नहीं है। वह तहसीलदार से बात कर रहे हैं, यदि खराब भोजन दिया गया है तो जांच कराई जाएगी।

मामले की जानकारी है। खाना सप्लाई करने वाली फर्म को चेतावनी दी गई है। एफएसडीए (खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन) को सभी प्रशिक्षण में उपलब्ध होने वाले भोजन की जांच के लिए निर्देशित किया गया है - **सचिन यादव, नोडल जनगणना प्रशिक्षण**

मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाकार सेवानिवृत्त अधिकारी को 29 दिन डिजिटल अरेस्ट रखा, 84 लाख रुपये ठगे

(जीएनएस)।

लखनऊ। जानकीपुरम के सेक्टर-जी निवासी बदरुद्दीन अंसारी को 29 दिन डिजिटल अरेस्ट रखकर जालसाजों ने 84.50 लाख रुपये ठग लिए। बदरुद्दीन वित्त विभाग के रिटायर्ड अधिकारी हैं। जालसाजों ने उन पर मनी लांड्रिंग का आरोप लगाते हुए डिजिटल अरेस्ट किया। एनआइए(नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) व अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारी बन बातचीत कर धमकी दी। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

जानकीपुरम के सेक्टर-जी निवासी बदरुद्दीन अंसारी ने बताया कि बीती सात मार्च को उनके मोबाइल पर एक वाट्सएप काल आई। काल करने वाले ने खुद को लखनऊ पुलिस मुख्यालय का सीनियर इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार मिश्रा बताया। उसने कहा कि पुणे में मनी लांड्रिंग के एक मामले में उनका नाम सामने आया है। उनके नाम से एचडीएफसी बैंक में फर्जी खाता खोलकर अवैध लेनदेन किया गया है। इसके बाद अलग-अलग मोबाइल नंबरों और सिग्नल एप के जरिए खुद को एनआइए और अन्य एजेंसियों का अधिकारी बनकर साइबर जालसाजों ने उन्हें काल किया।

जालसाजों ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट, आरबीआइ और अन्य जांच एजेंसियों के फर्जी दस्तावेज भेजे। गिरफ्तारी और कार्रवाई का डर दिखाकर उनके बैंक अकाउंट में मौजूद रुपयों को जांच के नाम पर अपने बताये गये खाते में भेजने को कहा। पीड़ित के मुताबिक साइबर जालसाजों के दबाव बनाने पर उन्होंने 11 मार्च को पंजाब नेशनल बैंक खाते से 45 लाख रुपये, 12 मार्च को 4.50 लाख रुपये और 13 मार्च को पांच लाख रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए।

इसके बाद चार अप्रैल को एसबीआइ खाते से 30 लाख रुपये पीड़ित ने और ट्रांसफर कर दिए। पीड़ित के मुताबिक उन्होंने कुल 84.50 लाख रुपये साइबर जालसाजों के दिए बैंक अकाउंट्स में ट्रांसफर किए। यह रकम उन्होंने रुपसे ज्वेलिन इंटरप्राइसेस, फरहान, विशाल मेघवात और अभिजीत भौमिक नाम के खातों में ट्रांसफर किए थे। घटना के बाद उन्होंने राष्ट्रीय साइबर पोर्टल पर आनलाइन शिकायत दर्ज कराई। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में भी शिकायत की। जिसके आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पुलिस ने 27 लाख रुपये कराये फ्रीज

इंस्पेक्टर साइबर क्राइम थाना बृजेश कुमार यादव के मुताबिक जिन बैंक खातों में रकम भेजी गई है। उनकी डिटेल खंगाली जा रही है। ट्रांजैक्शन ट्रेल के आधार पर साइबर जालसाजों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। इंस्पेक्टर ने बताया कि साइबर जालसाजों के कुछ बैंक अकाउंट के बारे में जानकारी मिली है। पीड़ित के 27 लाख रुपये फ्रीज करा लिए गए हैं। प्रयास किया जा रहा है कि इन रुपयों को वापस कराया जा सके।

लखनऊ में बीटेक थर्ड ईयर की छात्रा का संदिग्ध अवस्था में रूम में मिला शव, जांच कर रही पुलिस

शुरूआती जांच में पता चला है कि मृतका की शादी तय हो चुकी थी. लेकिन वह वहां से शादी करने को तैयार नहीं थी.

(जीएनएस)।

लखनऊः राजधानी लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में रविवार शाम बीटेक फाइनल ईयर की छात्रा अपने कमरे के अन्दर संदिग्ध हालत में मृत मिली.

सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

अयोध्या के रोनही थाना अंतर्गत कैटरोली निवासी अमर बहादुर अयोध्या में ही हार्डवेयर की दुकान संचालित करते हैं. उनकी 25 वर्षीय बड़ी बेटी वैष्णवी यादव बिजनौर थाना क्षेत्र के सीमा सिटी में पिछले 4 वर्षों से किराए पर रहकर यहां एक कॉलेज में बीटेक फाइनल ईयर की छात्रा थी.

पुलिस के मुताबिक वैष्णवी और उसके बगल कमरे में किराए पर रहने वाला उदित एक प्राइवेट कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर वर्क फ्रॉम होम के तहत काम भी कर रहे थे.

रविवार शाम उदित ने वैष्णवी को किसी काम के लिए फोन किया, लेकिन कई बार फोन करने के बाद फोन नहीं रिसीव हुआ. इसके बाद उदित खुद उसके कमरे पर पहुंचा, जहां वैष्णवी कमरे के अंदर पंखे के हुक से दुपट्टे से के सहारे लटकी मिली.

इस पर उदित ने आनन-फानन उसे नीचे उतार कर पुलिस को सूचना दी. सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने वैष्णवी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

बिजनौर पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में पता चला है कि मृतका की शादी तय हो चुकी थी. लेकिन वह वहां से शादी करने को तैयार नहीं थी.

अंदाजा लगाया जा रहा है कि इसी वजह से उसने ऐसा कदम उठाया है. फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है.

मामले की जांच के बाद ही उसकी मौत का सही कारण पता चल सकेगा.

उधर मृतका के पिता अमर बहादुर का कहना है कि सूचना के बाद जब वह पहुंचे, तो कैष्णवी का शव कमरे में नीचे फर्श पर पड़ा मिला. उन्होंने मामले को संदिग्ध बताते हुए इसकी जांच करने की मांग की है.

मृतका के परिवार में उसके पिता अमर बहादुर के अलावा मां आशा देवी और दो छोटी बहनें व दो छोटे भाई हैं.

कृष्णा नगर एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि रविवार देर शाम बिजनौर थाना अंतर्गत सीमा कॉलोनी में एक युवती का शव पड़े होने की सूचना मिली.

मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की तो पता चला युवती बीटेक थर्ड ईयर की छात्रा है तथा एक प्राइवेट कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी करती है. उसी के साथ उसके पड़ोस में रहने वाला उदित भी उसी कंपनी में कार्य करता है.

'राघव चड्ढा नहीं जो चड्ढी हो जाऊं!' मयार्दा भूलीं टीएमसी सांसद

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग से पहले तृणमूल कांग्रेस (TMC) की फायरब्रांड सांसद सायोनी घोष ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए राघव चड्ढा को लेकर बड़ा ही विवादित बयान दिया है। चंडी पाठ, फिर अजान और हनुमान चालीसा वाले बयान के बाद सायोनी घोष ने अब राघव चड्ढा पर टिप्पणी करते हुए सारी मयार्दा भुला दी। जिसके बाद उनकी जमकर आलोचना हो रही है।

'राघव चड्ढा नहीं जो चड्ढी हो जाऊं!'

पश्चिम बंगाल की राजनीति में अपने मुखर बयानों के लिए जाने वाली सायोनी घोष ने टीएमसी चुनाव प्रचार के दौरान मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए ये बयान दिया है। आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राघव चड्ढा के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए सायोनी घोष ने कहा, " ये सायोनी घोष है, वो चड्डा नहीं है इसलिए वो कभी चड्ढी नहीं हो सकती"!

"हमारे पास हवाई चप्पल और सफेद साड़ी वाली दीदी हैं"

सयोनी घोष यहीं नहीं रुकीं उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, "आपके पास ईडी, सीबीआई है, करोड़ों रुपये हैं और पावर और क्षमता है लेकिन हमारे पास एक ही हवाई चप्पल और सफेद सारी वाली ममता बनर्जी है। मैं अपनी लीडर ममता बनर्जी को 2029 में देश का प्रधानमंत्री देखना चाहती हूं।"

कौन हैं सयोनी घोष

सायोनी घोष मूल कांग्रेस (ळटउ) की फायरब्रांड लोकसभा सांसद हैं। बंगाली अभिनेत्री और गायिका से राजनेता बनीं घोष अपनी बेबाक शैली के लिए जानी जाती हैं। राजनीति में अपनी एक सशक्त पहचान बनाई है। वह वर्तमान में जादवपुर संसदीय सीट से टीएमसी सांसद हैं।

ममता बनर्जी की 'युवा शक्ति' का चेहरा

सायोनी घोष को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की 'युवा शक्ति' का चेहरा माना जाता है और उन्हें लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी, जो टीएमसी में दूसरे सबसे बड़े नेता हैं, के करीबी समूह का हिस्सा भी बताया जाता है। अपने भाषणों में वह अक्सर हनुमान चालीसा का पाठ करती हैं और कलमा भी पढ़ती हैं, जिसके जरिए वह हिंदू-मुस्लिम एकता की अपील कर लोगों का ध्यान खींचती हैं।

फिल्मी करियर

सायोनी घोष ने वर्ष 2010 में बंगाली मनोरंजन जगत में कदम रखा और देखते ही देखते पश्चिम बंगाल में घर-घर में पहचानी जाने लगीं। कोलकाता में 1993 में जन्मी सायोनी ने अपनी स्कूली शिक्षा भी यहीं पूरी की। उन्होंने फिल्म इच्छे दाना से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की और आगे चलकर कनामैची, राजकहिनी, अपराजितो और व्योमकेश ओ चिड़ियाखाना जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएँ निभाईं।

राजनीति में एंट्री

अभिनय में सफलता के बाद सायोनी घोष ने राजनीति की राह चुनी और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 से पहले तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गईं। अपनी दमदार भाषण शैली और जोशीले चुनाव प्रचार के कारण उन्होंने बहुत कम समय में पार्टी में अलग पहचान बना ली। उनकी रैलियों और रोडशो में उमड़ने वाली भीड़ की तुलना अक्सर ममता बनर्जी और सुवेंदु अधिकारी जैसे बड़े नेताओं से की जाती है।

हार के बावजूद दी गई अहम जिम्मेदारी

सायोनी घोष ने 2021 का विधानसभा चुनाव आसनसोल से लड़ा, लेकिन उन्हें अग्निमित्रा पॉल के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद ममता बनर्जी ने उन पर भरोसा बनाए रखा और उन्हें पश्चिम बंगाल तृणमूल युवा कांग्रेस का प्रमुख नियुक्त किया।